शोक प्रकाश

विगत् सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई महत्वपूर्ण राजनेता और समाजसेवी गुजर गये हैं। इनमें मुख्य रूप से झारखण्ड सरकार के मंत्री हाजी हुसैन अंसारी, केन्द्रीय मंत्री राम विलास पासवान, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशु भाई पटेल, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह, छऊ नृत्य के गुरू श्यामा चरण पति और स्वतंत्रता सेनानी अम्बर हाँसदा प्रमुख हैं।

झारखण्ड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण एवं निबंधन मंत्री हाजी हुसैन अंसारी जी का 74 वर्ष की उम्र में 03 अक्टूबर, 2020 को राँची स्थित मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। मरहुम हाजी साहब का जन्म 23 जुलाई, 1947 को मधुपुर के पिपरा गाँव में हुआ था। वे झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के टिकट पर वर्ष 1995 और 2000 में बिहार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। 2010 और 2019 में वे झारखण्ड विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। वर्ष 2004 में वे प्रतिपक्ष के नेता हुए और अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में वे चार बार मंत्री नियुक्त हुए। वर्ष 2009 में पहली बार वे श्री शिबू सोरेन की नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री नियुक्त किये गए थे और श्री अर्जुन मुण्डा और श्री हेमन्त सोरेन की सरकार में भी मंत्री नियुक्त किये गए। वे झारखण्ड राज्य हज कमिटी के चेयरमेन भी रह चुके थे। सौम्य विचार रखने वाले स्व हाजी हुसैन अंसारी के निधन से झारखण्ड की राजनीति में अपूरणीय क्षति हुई है।

लोक जनशक्ति पार्टी के निर्माता और केन्द्रीय मंत्री राम विलास पासवान जी का 08 अक्टूबर, 2020 को निधन हो गया। स्व0 पासवान पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। लगभग 50 वर्षों तक देश की केन्द्रीय राजनीति में सक्रिय रहने वाले स्व0 पासवान छः प्रधानमंत्रियों की सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे। समाजवादी आंदोलन के महत्वपूर्ण स्तम्भों में से एक राम विलास पासवान जी की गिनती राष्ट्रीय राजनीति

में विशेष रूप से होती थी। 1969 में वे संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी की टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए थे और इसके बाद आठ बार लोक सभा और एक बार राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए। 5 जुलाई, 1946 को जन्मे स्व0 पासवान ने समय-समय पर महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेवारी केन्द्र सरकार में संभाली। उनके निधन से राष्ट्रीय राजनीति में अपूरणीय क्षति हुई है।

केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगड़ी का निधन 23 सितम्बर, 2020 को हो गया। कोरोना से संक्रमित इस केन्द्रीय मंत्री ने दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अंतिम सांस ली। वे चार बार लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए। स्व0 अंगड़ी को राजनीतिज्ञ एवं प्रमुख संगठनकर्त्ता के रूप में गिना जाता था।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशु भाई पटेल का निधन 29 अक्टूबर, 2020 को लम्बी बीमारी के बाद अहमदाबाद में हो गया। वे 92 वर्ष के थे। वे 1995 और 1998 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। छः बार वे गुजरात विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। इनके निधन से गुजरात की राजनीति में जो रिक्ति पैदा हो गई है उसकी भरपाई कर पाना निकट भविष्य में सम्भव नहीं है।

छऊ नृत्य के महान गुरू और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इसको प्रतिष्ठा दिलाने वाले पद्मश्री श्यामा चरण पति का 80 वर्ष की उम्र में 28 अक्टूबर, 2020 को निधन हो गया। उनका जन्म इचा गाँव में एक गरीब ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके निधन से राज्य के कला और संस्कृति के क्षेत्र में, कला के क्षेत्र को गहरी क्षति हुई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के उपाध्यक्ष सुकुमार हाँसदा का निधन 29 अक्टूबर, 2020 को हो गया। 66 वर्षीय स्व0 हाँसदा झाड़ग्राम से दो बार विधायक रहे। पश्चिम बंगाल सरकार में उन्हें मंत्री रहने का गौरव

भी प्राप्त हुआ। पश्चिम बंगाल की जनजातीय राजनीति में उनकी महत्वपूर्ण पहचान थी।

स्वतंत्रता सेनानी अम्बर हाँसदा जी का निधन लगभग 108 वर्ष की उम्र में हो गया। उनके निधन से क्षेत्रीय राजनीति को गहरा आघात लगा है।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह जी का निधन 02 नवम्बर, 2020 को 84 वर्ष की उम्र में हो गया। वे 1967 में पहली बार बिहार विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे और 1980 में लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए। बिहार में उन्होंने सबसे कम समय के लिए मुख्यमंत्री का पद संभाला और कोशी क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय रहे।

इन सबों के साथ ही पार्श्व गायक एस0पी0 बाला सुब्रमण्यम, संत जेवियर्स कॉलेज, राँची के पूर्व प्राचार्य फादर लुईस फ्रेंकन, बिहार सरकार के मंत्री कपिलदेव कामत और बिनोद कुमार सिंह, बिहार के पूर्व महाधिवक्ता राम बालक महतो, वायलीन वादक टी0एन0 कृष्णन, झारखण्ड सरकार के पूर्व मुख्य सचिव सजल चक्रवर्ती, कॉस्ट्युम डिजाईनर भानु अथईया आदि के निधन की सूचना भी हमें प्राप्त हुई है।

इसके अतिरिक्त लद्दाख में तैनात और झारखण्ड के चान्हो निवासी फौजी अभिषेक के शहादत की सूचना भी हमें प्राप्त हुई है। इन सभी दुखद सूचनाओं से हम मर्माहत हैं।

मैं तमाम दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धा निवेदित करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इनके परिजनों को शोक सहन करने की क्षमता ईश्वर प्रदान करे।